an>

Title: Regarding salary of artists and the paper work involved.

श्रीमती अर्पिता घोÂष (बालूरघाट) : सर, मैं आज एक दूसरे विÂषय पर बात करना चाहती हूँ। यह एक महत्वपूर्ण विÂषय है। यह विÂषय कल्चर मिनिस्ट्री के बारे में है। मैं एक थिएटर डायरेक्टर और एक्ट्रेस हूँ। हमारे जो कल्चरल ऑर्गनॉइजेशंस हैं, सरकार उन सबको सैलरी ग्रांट देती है।

अभी आर्टिस्ट को सैलरी छह हजार रूपये मिलती है और गुरू को दस हजार रूपये मिलते हैं। अभी यहां पर लेबर मंत्री बैठे हुए हैं। एक लेबर को नौ हजार रूपये न्यूनतम मिलते हैं और एक आर्टिस्ट्स को छह हजार रूपये मिलते हैं। अभी कल्चर मिनिस्ट्री ने जो नियम बनाए हैं, उसमें हमारी परेशानी यह है कि हम लोगों को अपना थिएटर या डांस या कुछ भी छोड़ कर बैठ कर पेपर वर्क करना पड़ेगा।

मैं आपके माध्यम से विनती करती हूँ कि मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर को थोड़ा सोचना चाहिए, ताकि आर्टिस्ट लोगों की सैलरी बढ़ाई जाएं और पेपर वर्क को कम किया जाए।

HON. CHAIRPERSON: Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shrimati Arpita Ghosh.